21.12.2024

प्रेस प्रकाशनी

सीबीएसई ने राष्ट्रीय किशोर शिखर-सम्मेलन 2024 का आयोजन किया : सशक्तिकरण और कल्याण का उत्सव

नई दिल्ली, 21 दिसंबर 2024: केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई)द्वारा 20-21 दिसंबर को नई दिल्ली के राष्ट्रीय बाल भवन में राष्ट्रीय किशोर शिखर-सम्मेलन 2024 का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। **जीवन कौशल, मानसिक स्वास्थ्य, संरक्षा, और कल्याण** की विषय-वस्तु पर आधारित इस दो दिवसीय कार्यक्रम में किशोर संबंधी मुद्दों पर संवाद और सहयोग को बढ़ावा देते हुए भारत और विदेश से 850 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)2020 के दृष्टिकोण से संरेखित इस शिखर-सम्मेलन द्वारा छात्रों और शिक्षकों को सशक्त बनाने और समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए एक मंच मिला।

20 दिसंबर 2024 को सीबीएसई के अध्यक्ष श्री राहुल सिंह ने सम्मेलन का उद्घाटन किया और उन्होंने किशोरावस्था की परिवर्तनकारी भूमिका और शिक्षा के महत्व को रेखांकित किया जो केवल पाठ्यपुस्तकों व कक्षाओं तक ही सीमित नही है । अपने संबोधन में उन्होंने पाठ्येत्तर गतिविधियों के माध्यम से समाज के योगदान और स्व-जागरूकता को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर बल दिया और छात्रों से आग्रह किया कि वे सम्मेलन की गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लें और स्वयं को अभिव्यक्त करते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करें।

सीबीएसई के सचिव श्री हिमांशु गुप्ता ने छात्रों पर सूचना के अत्यधिक बोझ और बदलते पारिवारिक स्वरूप जैसे पहलुओं पर चर्चा करते हुए आधुनिक युग में छात्रों द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का समाधान करने और समावेशी अधिगम वातावरण निर्मित करने के लिए स्कूलों में मजबूत परामर्श तंत्र की आवश्यकता पर बल दिया।

सम्मेलन के आकर्षण/ विशेषताएं

यह आयोजन छात्रों को सशक्त बनाने और उनकी रचनात्मकता को प्रदर्शित करने के लिए कई आकर्षक गतिविधियों के साथ-साथ **स्वास्थ्य और स्वस्थता/कल्याण प्रदर्शनी** का साक्षी बना:

1. **स्वास्थ्य और स्वस्थता/कल्याण प्रदर्शनी:**
   भारत भर के स्कूलों द्वारा स्वास्थ्य और स्वस्थता/कल्याण को बढ़ावा दे ने वाली 120 अभिनव परियोजनाओं का प्रदर्शन।

2. **युवा संसद:**
   70 युवा प्रतिभागियों के साथ एक ऊर्जावान किशोर स्वस्थता/कल्याण संसद, जिसमें युवाओं द्वारा ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा की गई।

3. **उत्सव:**
   - **कलाकृति:** कला के माध्यम से रचनात्मकता और कहानी कहने का उत्सव मनाने की विषय-वस्तु पर आधारित ऑनस्पॉट पेंटिंग प्रतियोगिता, जिसमें 110 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुई।

- **एलोक्वेंस (अभिव्यक्ति):** युवा वक्ता चैंपियनशिप, जिसमें उत्साह के साथ वाद-विवाद कौशल का प्रदर्शन हुआ, जिसकी ओर इतने सारे प्रतिभागी आकर्षित हुए कि प्रतिभागिता के लिए स्कूलों की जोड़ी बनाई गई।
- **तरंग:** भारतीय शास्त्रीय नृत्य का उत्सव, जिसमें 90 अद्भुत एकल प्रदर्शन हुए।
- **पाठशाला नुक्कड़ की:** समकालीन विषयों को उजागर करने वाले नाटकीय प्रस्तुतियाँ।

4. **मनोवृत्ति:** छात्रों द्वारा बनाई गई 50 लघु फिल्मों की स्क्रीनिंग, जहाँ उनके अनूठे दृष्टिकोण और रचनात्मकता को प्रदर्शित किया गया।

5. **संवेदना:** प्रेरणादायक सत्र, जहां विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने सहपाठी-शिक्षकों का मार्गदर्शन किया और उन्हें प्रेरित किया।

6. **क्यू:स्मार्ट** - राष्ट्रीय स्वास्थ्य और स्वस्थता/कल्याण प्रश्नोत्तरी, जहाँ जोशपूर्ण प्रतियोगिता के माध्यम से ज्ञान और विवेक का परीक्षण किया और इसके प्रति रुचि को देखते हुए कई सत्र आयोजित करने पड़े।

सम्मेलन में छात्रों के मुद्दों पर पैनल चर्चा, परामर्शदाताओं और वेलनेस शिक्षकों के लिए कार्यशालाएँ और विशेष संवादात्मक सत्र भी शामिल किए गए थे।

समापन समारोह:

सम्मेलन का समापन 21 दिसंबर 2024 को आयोजित समारोह के साथ हुआ, जिसमें श्री रजत शर्मा, इंडिया टीवी के अध्यक्ष और प्रधान संपादक, मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। अपने संबोधन में, श्री शर्मा ने नैतिक मीडिया प्रथाओं और युवाओं में विवेचनात्मक चिंतन के महत्व को रेखांकित करते हुए भ्रामक सूचनाओं और साइबर अपराधों का मुकाबला करने की आवश्यकता पर बल दिया। उनके संवादात्मक प्रश्नोत्तर सत्र में किशोर चुनौतियों पर बहुमूल्य अंतर्दृष्टि प्राप्त हुई और प्रधानमंत्री के '**परीक्षा पे चर्चा**' जैसे अभियानों की प्रासंगिकता उजागर हुई।

विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को उनके उत्कृष्ट योगदान और उपलब्धियों के लिए पदक और प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

स्वस्थता/कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता

इस कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने छात्रों के कल्याण को प्राथमिकता देने, मानसिक स्वास्थ्य पहलों को मजबूत करने और समावेशी स्कूल पारिस्थितिकी को बढ़ावा देने का प्रण किया। साथ ही, सीबीएसई ने नवोन्मेषी कार्यक्रमों, व्यापक परामर्श तंत्र और परिवारों व समुदायों के साथ सहयोगात्मक प्रयासों के माध्यम से छात्रों को सशक्त बनाने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

हस्ता/-

सचिव,सीबीएसई